राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट | 3 ऑफिस यूनिफॉर्म में भी ट्रेंडी लुक के लिए टिप्स... | 4 धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा...

वर्ष: 9 | अंक: 165 | दिल्ली, गुरुवार, 10 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

कठुआ के बाद अब उधमपुर में आतंकी एक्टिव, सुरक्षाबलों से मुठभेड़ जारी

उधमपुर (एजेन्सी)। एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और सुरक्षा बल के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है। कठुआ- आर एस पुरा और पूंछ के बाद इस बार आतंकियों का निशाना उधमपुर था। जहां आतंकी छुपे हुए थे। रक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया और तीन आतंकियों को फंसा लिया है। उधमपुर पुलिस ने एक्स पर कहा, "पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान, उधमपुर के रामनगर थाना क्षेत्र के जोफर गांव में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया।" डीआईजी उधमपुर-रियासी रेंज रईस मोहम्मद भट ने कहा कि कम से कम दो से तीन आतंकवादी फंस गए हैं। उन्होंने कहा, "गोलीबारी जारी है।" उधमपुर जिले के रामनगर के मार्टा गांव में सुरक्षा बलों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य बलों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान, आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया। पिछले सप्ताह ही कठुआ के बिलावर इलाके में पंजतीर्थी मंदिर के पास जैश के तीन आतंकवादी पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान फंस गए थे। भारतीय सेना की राइजिंग स्टार कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर 1 अप्रैल को संभावित 'आतंकवादी' गतिविधि के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद इस क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रही थी। अधिकारियों ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के नेतृत्व में और सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सहायता से हुई मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस उपाधीक्षक सहित सात अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 अप्रैल को भीड़भाड़ को कम करने के लिए दो रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाइब्रिड एन्युटी मोड पर पंजाब और हरियाणा में 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबाई वाले 6 लेन वाले प्रवेश नियंत्रित जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तिरुपति से काटपाडी तक दोहरीकरण को मंजूरी दी है जो 1332 करोड़ रुपये की परियोजना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-2026 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की उप-योजना के रूप में 1600 करोड़ रुपये के प्रारंभिक कुल परिव्यय के साथ कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (एम-सीएडीडब्ल्यूएम) के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी। पीआईबी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने एनएच-7 (जीरकपुर-पटियाला) के साथ जंक्शन से शुरू होकर एनएच-5 (जीरकपुर-परवाणू) के साथ जंक्शन पर समाप्त होने वाले 6 लेन वाले जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसमें बताया गया है कि इसकी कुल लंबाई 19.2 किलोमीटर है। यह निर्माण पंजाब और हरियाणा राज्य में एनएच(ओ) के तहत हाइब्रिड एन्युटी मोड पर किया जाएगा। यह पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान सिद्धांत के तहत एकीकृत परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

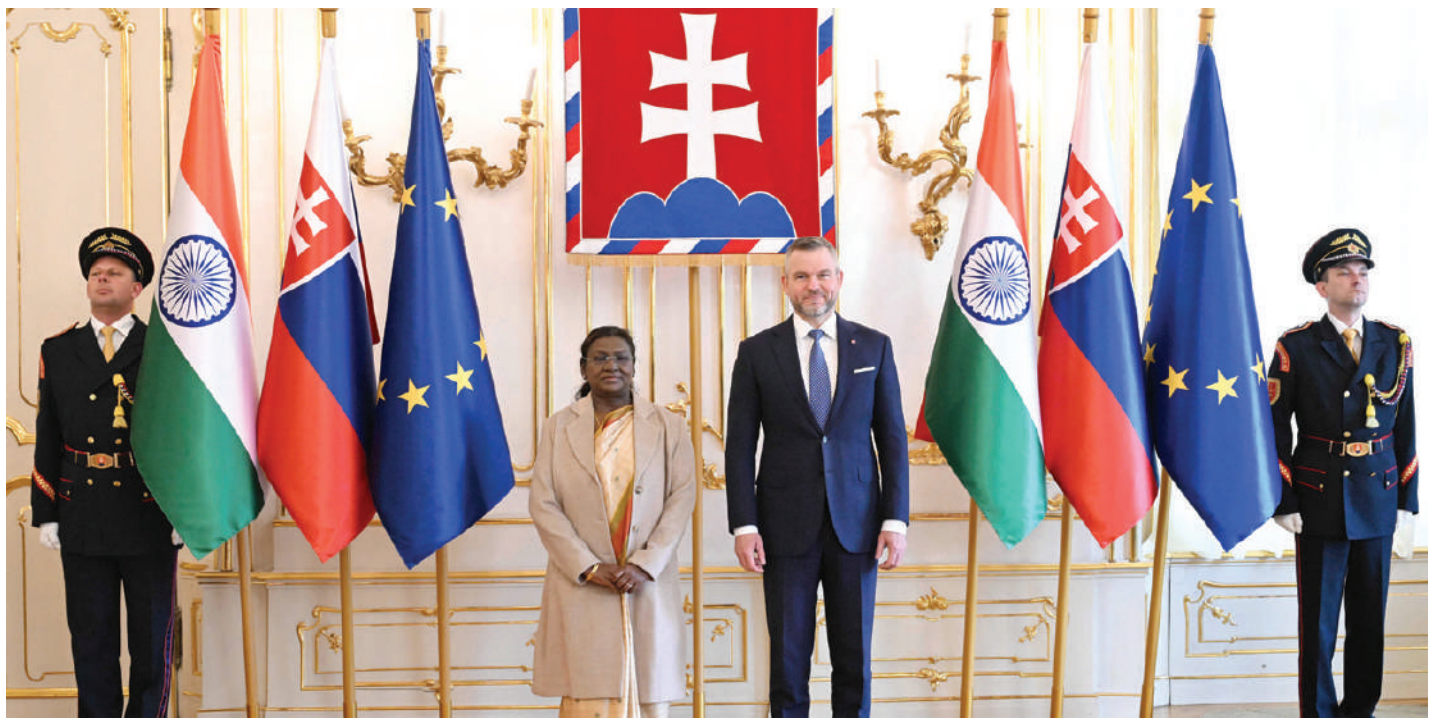

स्लोवाकिया के ब्राटिस्लावा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत किया गया। (स्रोत: पीआईबी)

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 15 अप्रैल तक मिलेगी पुस्तकें: सीएम नायब सिंह सैनी

'प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस वर्ष पूर्ण रूप से किया जाए लागू'

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को 15 अप्रैल तक पुस्तकें मिल जाएगी। साथ ही प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी किसी भी बुक शॉप से अपनी पुस्तक खरीद सकते है वह किसी एक बुक शॉप से पुस्तक खरीदने के लिए बाध्य नहीं है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर स्कूल, तकनीकी और उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट भाषण में जो भी विषय आए है उन सभी विषयों को चिन्हित कर तीव्र गति से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार कर शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर बोर्ड कक्षाओं के पिछले 10 वर्षो के प्रश्न पत्र तथा मॉक टेस्ट अपलोड करें ताकि इससे विद्यार्थी अध्ययन करके लाभ उठा सकें। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बोर्ड की कक्षाओं के प्रश्न पत्रों में आवश्यक बदलाव करने के लिए कमेटी का गठन किया जाए।

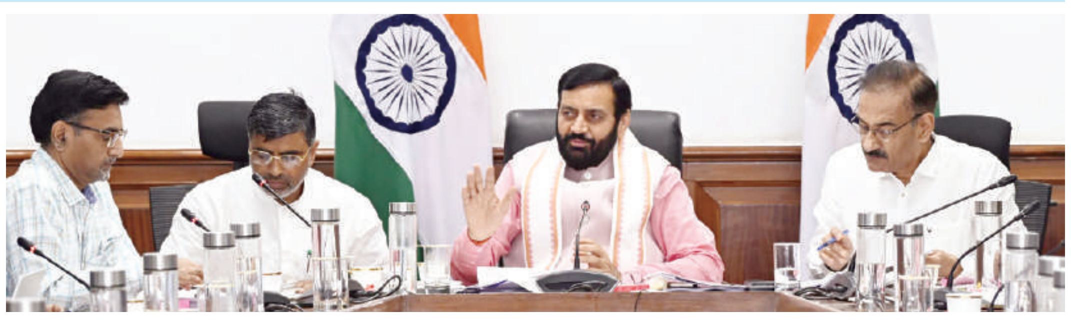

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विद्यालयों में खेल व स्वच्छता विषयों पर अलग से कक्षाएं शुरू की जाए और विद्यालय स्तर पर स्वच्छता का कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थानों में साफ-सफाई, हरियाली, रंग-रोगन, स्लोगन आदि कार्यो का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि विद्यार्थियों को यहां आने से प्रेरणा मिलें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरटीई के तहत किसी भी स्कूल मे कोई भी सीट खाली न रहे, साथ ही उच्चतर शिक्षा के किसी भी संस्थान में कोई भी सीट खाली नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने प्रथम व द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को हर महीने एक दिन किसी न किसी राजकीय विद्यालय में जाकर समय लगाना अनिवार्य किया है और इसका एक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रदेश में इस वर्ष पूर्ण रूप से लागू किया जाए। इसको लेकर युवाओं, विद्यार्थियों से चर्चा कर इस बारे में जागरूक करने का काम किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर बच्चों को स्कूल स्तर से ही अधिक मजबूत करने का काम किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर विद्यार्थी और शिक्षक अच्छा कार्य करेंगे तो उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के विद्यार्थियों में गणितीय सोच को बढ़ावा देने के लिए 10वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए हरियाणा मैथ ओलंपियाड आयोजित करने तथा छठी से 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को इसरो, डीआरडीओ तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र जैसे तकनीकी संस्थानों का भ्रमण करवाने के लिए जल्द ही एक रूप रेखा को तैयार किया जाए।

शिक्षा से राष्ट्र निर्माण तक इंद्रप्रस्थ कॉलेज की छात्राओं ने की है हर क्षेत्र में अगुवाई: रेखा गुप्ता

'देश की प्रगति का रास्ता, युवाओं के हाथ से होकर जाने वाला है'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की शताब्दी वर्षगांठ समारोह में भाग लिया। कीं। इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने छात्राओं, शिक्षकों और प्रबंधन को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इंद्रप्रस्थ कॉलेज की छात्राओं ने शिक्षा से लेकर राष्ट्र निर्माण तक हर क्षेत्र में नेतृत्व किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के छात्रों के साथ मिलकर हमें विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ना है, क्योंकि देश की प्रगति का मार्ग युवाओं के हाथों से होकर गुजरता है। इसी उद्देश्य को साकार करने हेतु, सरकार ने "विकसित दिल्ली बजट 2025" में शिक्षा क्षेत्र के लिए रु19,291 करोड़ का विशेष प्रावधान किया है।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय नारी शिक्षा, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का एक आदर्श केंद्र रहा है। 100 वर्षों की यह यात्रा शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन की जीवंत गाथा है। इंद्रप्रस्थ कॉलेज जैसे संस्थान भारतीय समाज में महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने में अग्रणी रहे हैं। कॉलेज के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान को देखते हुए यह कॉलेज दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है। 1924 में दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त करने के बाद, इस कॉलेज ने अनगिनत बेटियों को उनके सपनों को आकार देने का अवसर दिया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी इस महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देश की चेतना को जाग्रत करने में अहम भूमिका निभाई। सुचेता कृपलानी, श्रीमती सरला शर्मा जैसी पूर्व छात्राओं का योगदान इस संस्था की केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक विरासत को भी गौरवशाली बनाता है। आज, इस कॉलेज की छात्राएँ सड़क से लेकर संसद तक, स्कूल से लेकर अंतरिक्ष तक–हर क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

समारोह के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने प्रेस को सम्बोधित करते हुए बताया कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से नौ संकल्प लेने की प्रेरणा दी है, और मेरा विश्वास है कि जब हमारी यह युवा पीढ़ी इन संकल्पों को आत्मसात करेगी, तो दिल्ली और देश दोनों नई ऊंचाइयों को छुएंगे। जल संरक्षण, एक पेड़ माँ के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल ,देश दर्शन, प्राकृतिक खेती को अपनाना, हैल्थी लाइफस्टाइल को अपनाना, योग और खेल को जीवन में स्थान देना और गरीबो को सहायता का संकल्प –ये सभी प्रयास न केवल पर्यावरण और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेंगे, बल्कि देश को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनाएंगे। आज इस संस्थान में छात्रों और शिक्षकों से संवाद करके मुझे बेहद खुशी हुई। मैंने सभी से आग्रह किया कि देश की प्रगति में सहभागी बनें और जो भी कार्य वे कर सकते हैं, उसे अपनी जिम्मेदारी समझकर करें। यही युवाओं की शक्ति है, जो देश को विकास की राह पर अग्रसर करेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बताया कि "विकसित दिल्ली बजट 2025" के तहत शिक्षा क्षेत्र के लिए रु19,291 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जो कुल बजट का 19.29% है। साथ ही तकनीकी शिक्षा, स्किल यूनिवर्सिटी और महिला तकनीकी विश्वविद्यालयों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। साथ ही हरित दिल्ली के बारे में भी सरकार के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में इस वर्ष 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्कूलों के छात्र, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन और स्थानीय समितियाँ इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इसके साथ ही पर्यावरण रक्षक नामक एक नई पहल की शुरूआत की जा रही है, जिसके तहत नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा और उनमें जागरूकता भी उत्पन्न की जाएगी।

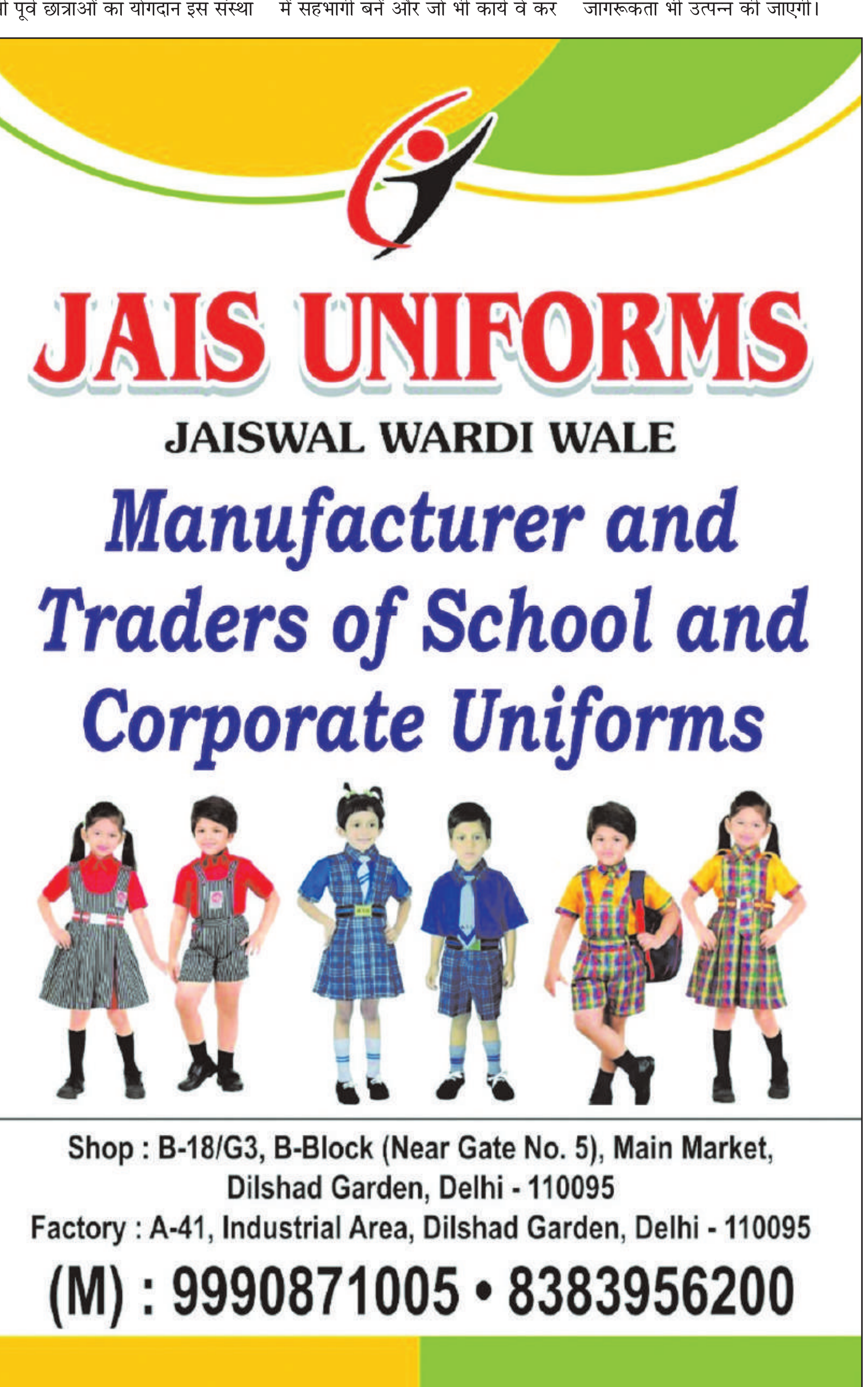

विश्व होम्योपैथी दिवस: पंजाब में जल्द बनेगा सरकारी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुसार होम्योपैथी को सहेजने और अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर लुधियाना जिले में एक सरकारी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्थापना की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि विश्व होम्योपैथी दिवस हर वर्ष 10 अप्रैल को होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह घोषणा पंजाब होम्योपैथी विभाग द्वारा स्थानीय म्यूनिसिपल भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान की।

होम्योपैथी को सहेजने और उसे बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने होम्योपैथिक डॉक्टरों और विशेषज्ञों से इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को सहेजने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा लोकसभा सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस कॉलेज की स्थापना के लिए उठाई गई आवाज और निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह कॉलेज पंजाब भर में होम्योपैथिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के लिए एक प्रमुख संस्था के रूप में कार्य करेगा।

होम्योपैथी विभाग को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने भविष्य में इस कॉलेज को एक पोस्ट ग्रेजुएट संस्थान के रूप में अपग्रेड करने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। साथ ही उन्होंने कहा कि होम्योपैथी विभाग में रिक्त पदों को भी भरा जाएगा और आधारभूत ढांचे को और मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर प्रसिद्ध होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. ए.एस. मान और डॉ. अवतार सिंह ने भी होम्योपैथी में नई चिकित्सकीय पहल और सफलताओं की जानकारी साझा की।

इन पहलों के माध्यम से, होम्योपैथी विभाग को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए सेवाओं की दक्षता सुनिश्चित करने और एक प्रमुख संस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस कार्यक्रम में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल, आयुष कमिश्नर दिलराज सिंह, पंजाब होम्योपैथिक काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. सिंह, आयुर्वेद निदेशक डॉ. रवि कुमार डुमरा, जिला होम्योपैथिक अधिकारी (डीएचओ), होम्योपैथिक मेडिकल अधिकारी (एचएमओ) और राज्य भर से विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम पंजाब होम्योपैथी विभाग के निदेशक डॉ. हरिंदर पाल सिंह की निगरानी में आयोजित किया गया।

'घरौंडा, असंध व इंद्री अनाज मंडियों में हो रही सरसों की निरंतर खरीद'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि अनाज मंडी घरौंडा, असंध व इंद्री में सरसों की निरंतर खरीद की जा रही है। उपायुक्त ने किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के सम्बन्ध में निर्देश दिए हैं कि मंडी में फसल बिक्री में कोई समस्या आड़े नहीं आने दें। उन्होंने किसानों से सरसों सुखाकर मंडी में लाने की अपील की ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई परेशानी न हो। मंडी में बिजली और पानी सहित सभी व्यवस्थाएं बेहतर हों। आढ़तियों को बारदाने को लेकर सम्बंधित समस्या का अधिकारी उचित प्रबंध करें। खरीद कार्य के साथ-साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से रहे। ताकि मंडी में खरीद कार्य निर्बाध रूप से चलता रहे।

डीएफएससी अनिल कुमार ने बताया कि गत दिवस तक सरकारी खरीद एजेंसी हैफेड व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 3961 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा सरसों का 5950 रुपए प्रति क्विंटल सरकारी रेट निर्धारित किया गया है। कोई भी किसान मंडी में आकर अपनी फसल टोकन कटवाकर बेच सकता है।

उन्होंने बताया कि गत दिवस तक घरौंडा अनाज मंडी में 2535 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा की गई। इसी प्रकार इंद्री अनाज मंडी में 810 मीट्रिक टन सरसों तथा असंध अनाज मंडी में 616 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हैफेड द्वारा की गई।

कपिल मिश्रा को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में फरवरी 2020 में हुए दंगों के सिलसिले में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच पर 21 अप्रैल तक रोक लगा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के खिलाफ कपिल मिश्रा की पुनरीक्षण याचिका पर नोटिस जारी किया है। अदालत ने अगली सुनवाई तक आगे की जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई की तारीख 21 अप्रैल है। इससे पहले कपिल मिश्रा ने आज ही 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के मामले में आगे की जांच के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी। दिल्ली पुलिस ने भी आगे की जांच के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है। पिछले हफ्ते, दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में 2020 के दंगों में कपिल मिश्रा की कथित भूमिका की जांच के लिए एफआईआर का आदेश दिया था।

सम्पादकीय

संशोधित वक्फ अधिनियम...

वक्फ संपत्ति संशोधन अधिनियम-2025 को लेकर काफी चिंता है, जिसे गत बुधवार को लोकसभा ने पारित कर दिया था। यह विवादास्पद विधेयक 1995 के वक्फ अधिनियम को आद्यतन करता है और केंद्र सरकार को वक्फ संपत्तियों पर ज्यादा नियंत्रण देता है। अगले दिन राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले हफ्ते इसे स्वीकृति प्रदान की और इस प्रकार यह विधेयक अब कानून में तब्दील हो गया है। वक्फ इस्लाम के उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्ति का समर्पण है और इतिहास में इसका एक महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें मस्जिदें, मदरसे, आश्रय गृह और मुसलमानों द्वारा दान की गयी हजारों एकड़ जमीन शामिल हैं। इनका प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है, तथा कुछ को अपनी संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 (उमीद) पारदर्शिता, जवाबदेही, आधुनिकीकरण तथा दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत करता है। इसमें गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्व, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा वित्तीय सुधार के प्रावधान शामिल हैं। इन परिवर्तनों में अतिक्रमण को रोकना तथा संसाधनों का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए सुनिश्चित करना शामिल है। संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए 'पर्याप्त कारण' नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया, 'संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देगा तथा लोगों के अधिकारों की भी रक्षा करेगा,' उन्होंने सोशल मीडिया एक्स में लिखा। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों, शीर्षक विवादों तथा वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे को विनियमित करने के संबंध में कुछ खामियां हैं। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'अगर सरकार यह विधेयक नहीं लाती है, तो संसद भवन और हवाई अड्डे को वक्फ संपत्ति माना जायेगा।' यह संदर्भ हमें उन विशिष्ट मुद्दों को समझने में मदद करता है, जिन्हें संशोधन संबोधित करने का लक्ष्य रखता है। इस सप्ताह संसद में लगभग 12 घंटे तक चली बहस के दौरान विपक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी कदम बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि निचले सदन में 288 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 232 ने इसका विरोध किया। 'इससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि विभिन्न दलों के विरोध के बावजूद, यह विधेयक मोदी सरकार द्वारा मनमाने ढंग से लाया गया।' विचारों की यह विविधता इस मुद्दे की जटिलता और महत्व को दशार्ती है। कांग्रेस सदस्य इमरान मसूद ने सरकार से पूछा कि वह 'अभ्यास करने वाले मुसलमान' को कैसे परिभाषित करेगी। उन्होंने पूछा, 'आपकी परिभाषा क्या है? सभी मुसलमान पांच बार नमाज नहीं पढ़ते हैं, और सभी मुसलमान रोजा नहीं रखते हैं। मानदंड क्या होंगे?' मुस्लिम समूहों ने तर्क दिया है कि वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ कानूनों को कमजोर करना है। उनका मानना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करेगा। उन्होंने बढ़ते सरकारी नियंत्रण और व्यापक परामर्श की कमी का भी विरोध किया। ये चिंताएं मुस्लिम समुदाय पर विधेयक के संभावित नकारात्मक प्रभाव और आगे की चर्चा और परामर्श की आवश्यकता को उजागर करती हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का मानना है कि यह सरकार को बहुत अधिक शक्ति देता है और वर्तमान कानून में कई बदलावों का सुझाव देता है। लोकसभा में बोलते हुए, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि यह विधेयक 'संविधान को कमजोर करेगा, अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करेगा, भारतीय समाज को विभाजित करेगा और अल्पसंख्यकों को वंचित करेगा।' केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष अल्पसंख्यकों को डरा रहा है और 'यह भ्रम पैदा कर रहा है कि यह विधेयक मुस्लिम भाइयों की धार्मिक गतिविधियों और उनकी दान की गयी संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा।' सरकार का दावा है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनायेगा। इस विधेयक को पहली बार पिछले साल अगस्त में संसद में पेश किया गया था। कड़े विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने संशोधित संस्करण प्रस्तुत किया जिसमें समिति द्वारा सुझाये गये 25 बदलाव शामिल हैं। जेपीसी में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी दोनों के सदस्य थे। समर्थकों का दावा है कि वक्फ बोर्ड भारत के सबसे बड़े भूस्वामियों में से हैं। कम से कम 872 51 वक्फ संपत्तियां हैं, जो 940,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई हैं। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 12खरब रुपये या लगभग 14.22अरब डॉलर है। मुसलमानों के लिए एक चिंताजनक संशोधन सरकार को राज्य स्तरीय वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। यह वक्फ बोर्डों की सामान्य संरचना को बदल देता है, जिसमें आमतौर पर केवल मुसलमान शामिल होते हैं क्योंकि वक्फ संस्थाएं इस्लामी कानून पर आधारित होती हैं। संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत लचीलापन देता है, क्योंकि यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि देरी के लिए 'पर्याप्त कारण' क्या है। जे.पी.सी. ने भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के संशोधन को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया है कि नियुक्त सरकारी अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर का होना चाहिए, जिसे वक्फ मामलों में विशेषज्ञता हासिल हो। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बोर्ड में जानकार लोग शामिल हों। संशोधित विधेयक में वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्व का प्रावधान बरकरार रखा गया है। फिर भी, यह न्यायाधिकरण में इस्लामी कानूनी विशेषज्ञता की आवश्यकता के साथ इसे संतुलित करता है। यह शामिल विभिन्न पक्षों के बीच एक समझौते का प्रतिनिधित्व करता है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, जो अब एक अधिनियम है, एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फिर भी, इसकी सफलता अंततः सावधानीपूर्वक निष्पादन, हितधारक जुड़ाव और सभी समुदायों के लिए निष्पक्षता पर निर्भर करेगी।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े. जीवन-संकट

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है

-ललित गर्ग

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थान के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तीसरा ध्रुव कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति लिटल आइस एज के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं।

सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर

-योगेन्द्र योगी

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यत्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझौर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहां जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी।

पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया। आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे। जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की।

एनसीआरबी के अलावा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। इसी तरह स्टडी ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस (आईआईपीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक नौकरीपेशा महिलाएं जो पैसे कमाती हैं और मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं, अपने पति से ज्यादा झगड़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की जैसे जैसे उम्र बढती जाती है वो अपने पति से ज्यादा झगड? लगती हैं। जबकि पति के मामले में ये उल्टा है। पति की उम्र जैसे जैस बढ़ती है वो बीवियों से झगड़ा कम करने लगते हैं। आईआईपीएस की ये रिपोर्ट ये भी कहती है कि एकल परिवार में पति पत्नी के बीच हिंसक लड़ाई ज्यादा होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए। फिलहाल 2025 की तो अभी शुरूआत है। वर्ष 2024 का आंकड़ा एनसीआरबी ने अभी जारी नहीं किया है। लेकिन रिपोर्ट होने वाले आंकड़े डरावने हैं और इन्हीं आंकड़ों को सच करके जब मुस्कान, साहिल, प्रगति, राकेश रौशन ना जाने ऐसे कितने ही नाम और ऐसी कितनी ही तस्वीरें सामने आती हैं तो अहसास करा जाती हैं कि अब मुहब्बत उस अहसास का नाम नहीं रहा जो कभी हर दिल में रहा करता था। सवाल यही है कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। क्या तरक्की और स्वतंत्रता का यही पैमाना है? सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों का क्षरण का सिलसिला आखिर कहां जाकर थमेगा। इस बारे में गहन-चिंतन मनन की जरूरत है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार

गाजा के समर्थन में कट्टरपंथियों ने बांग्लादेश में किया प्रदर्शन

(एजेन्सी)।

गाजा। गाजा में इजरायल के हालिया हमले के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। देश में हिंसा भड़क उठी है, जहां प्रदर्शनकारी, मुख्य रूप से इस्लामवादी, हमास और फिलिस्तीन के मुद्दे का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी प्रतीकों वाले स्थानों, केएफसी, पिज्जा हट और अन्य जैसे भोजनालयों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में सड़कों पर, शिक्षण संस्थानों के आसपास रैलियों में निकले और गाजा में इजरायल के हमलों और हमले का विरोध किया, जिसके कारण इस क्षेत्र में लाखों लोगों की हत्या और नरसंहार हुआ। प्रदर्शनकारियों को इजरायल विरोधी और अमेरिका विरोधी नारे लगाते हुए देखा जा सकता है, जिसमें इजरायल से जुड़े उत्पादों का राष्ट्रव्यापी बहिष्कार करने का आह्वान किया गया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रसिद्ध वैश्विक ब्रांड की चेन तोड़ दी क्योंकि उन्हें इजरायल से जुड़ा माना जाता था।

कुछ प्रदर्शनकारियों को नाजी झंडे पकड़े हुए देखा गया, जो इजरायल के प्रति घृणा प्रदर्शित कर रहे थे, जो उनके अनुसार फासीवादी की तरह काम कर रहा है। प्रदर्शनकारियों को ढाका विश्वविद्यालय के टीचर स्टूडेंट सेंटर (टीएससी) पर पत्थरबाजी करते देखा गया, साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टरों पर चप्पलों से हमला किया गया। देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पोस्टरों पर भी नफरत दिखाने के लिए स्याही और अन्य उत्पादों से दागा गया। इजराइल जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को फिलिस्तीनी समर्थकों द्वारा पीटा गया।

कम होगी ईएमआई, महंगाई से भी मिलेगी राहत

(एजेन्सी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट में बुधवार नौ अप्रैल को गिरावट कर दी है। रेपो रेट में 25 आधार अंकों से घटाया गया है। अब रेपो रेट छह फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है। रेपो रेट में गिरावट का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के मद्देनजर लिया गया। रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए इस कदम से बैंकों से उधार लेने की लागत में कमी आएगी। इस कारण बैंक ग्राहकों को कम दरों पर लोन दे सकेगा। आने वाले समय में लोन की ईएमआई कम होने की संभावना है।

आरबीआई के राज्यपाल संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बुधवार को तीन दिवसीय बैठक का समापन हुआ है। इस बैठक के समापन पर ये निर्णय की घोषणा की गई है। इस बैठक की शुरूआत सात अप्रैल को हुई थी। आरबीआई गवर्नर ने कहा, "वृहद आर्थिक और वित्तीय स्थितियों तथा परिदृश्य के विस्तृत आकलन के बाद एमपीसी ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6 प्रतिशत करने के लिए मतदान किया।"

एमपीसी ने अपना रुख उदार निर्णय लेने का है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि इस बैठक में कहा गया कि तेजी से विकसित हो रही स्थिति के लिए आर्थिक परिदृश्य की निरंतर निगरानी और आकलन की आवश्यकता है।" आरबीआई गवर्नर ने कहा कि निवेश गतिविधि में तेजी आई है तथा निरंतर क्षमता उपयोग के कारण इसमें और सुधार होने की उम्मीद है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को पहले के 6.7 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। इस बैठक में केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को पहले के 4.2 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, केंद्रीय बैंक ने प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों से परे सह-ऋण के दायरे का विस्तार किया है।

केंद्रीय बैंक ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार व्यक्ति से व्यापारी तक यूपीआई लेनदेन की सीमा को संशोधित करने का प्रस्ताव दिया है। मल्होत्रा ने कहा, "हमारा लक्ष्य बेहतर मांग और सतत वृहद आर्थिक संतुलन की नींव पर आधारित गैर-मुद्रास्फीतिकारी विकास हासिल करना है।"

पिछले सप्ताह ट्रंप ने भारतीय आयात पर 26 प्रतिशत का भारी-भरकम पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ये शुल्क आज से लागू हो गए हैं।

पवन कल्याण ने अपने घायल बेटे से सिंगापुर के अस्पताल में मुलाकात की

सिंगापुर (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपने सबसे छोटे बेटे मार्क शंकर से सिंगापुर के एक अस्पताल में मुलाकात की, जहां दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश के एक स्कूल में आग लगने की घटना से झुलसने के बाद मार्क का इलाज किया जा है। जनसेना पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। आग की घटना में झुलसने और धुंए के कारण फेफड़ों की जटिलताओं की वजह से मार्क को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पार्टी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मार्क शंकर की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। हैदराबाद से मंगलवार रात सिंगापुर पहुंचने के बाद कल्याण सीधे अस्पताल गए, जहां उन्होंने अपने बेटे से मुलाकात की। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, धुएं के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शंकर को बुधवार सुबह आपातकालीन वार्ड से एक निजी कक्ष में स्थानांतरित कर दिया गया और चिकित्सकों ने कहा कि अगले तीन दिनों तक चिकित्सा निगरानी के साथ उनके परीक्षण जारी रहेंगे।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज हुई गुजरात टाइटंस

(एजेन्सी)।

आईपीएल 2025 का 23वां मुकाबला गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया। जिसमें जीटी ने आरआर को हराकर 58 रनों से जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही गुजरात टाइटंस पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रन बनाए। जिसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स 19.2 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। राजस्थान रॉयल्स के लिए हेटमायर ने 52 रन की पारी खेली।

218 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम को दूसरे ओवर में ही पहला झटका लगा। यशस्वी जायसवाल 7 गेंद में महज 6 रन बनाकर आउट हो गए। नीतीश राणा एक रन ही बना सके। वहीं रियान पराग ने 14 गेंद में 26 रन बनाए। ध्रुव जुरेल 5 रन ही बना पाए। तो कप्तान संजू सैमसन 28 गेंद में 41 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा के शिकार बने। शुभम एक और आर्चर 4 रन ही बना पाए।

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस को तीसरे ओवर में पहला झटका लगा। कप्तान शुभमन गिल महज दो रन बनाकर आउट हो गए। जोस बटलर 25 गेंद में 36 रन बना पाए। वहीं शाहरुख ने 20 गेंद में 36 रन बनाए। शेरफेन रदरफोर्ड 3 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन 53 गेंद में 82 रन की पारी खेली जो कि जीटी के लिए बेहद अहम साबित हुई। लेकिन सुदर्शन अपना शतक पूरा नहीं कर पाए और तुषार के शिकार बने। साई ने अपनी पारी में 8 चौके और तीन छक्के भी जड़े। तुषार ने राशिद खान (12) को भी आउट कर गुजरात को दोहरा झटका दिया। राजस्थान के लिए तुषार और महीश तीक्षणा ने 2-2 विकेट लिए। संदीप शर्मा और जोफ्रा आर्चर 1-1 विकेट ही ले पाए।

साई सुदर्शन की 'सुपर 30' में हुई एंट्री, तोड़ा क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड

(एजेन्सी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। जहां जीटी के साई सुदर्शन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एक और बेहतरीन पारी खेली है। सुदर्शन ने बुधवार को रॉयल्स के खिलाफ 53 गेंदों में 82 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और तीन छक्के भी जड़े। ये सुदर्शन के आईपीएल करियर की 30वीं पारी थी। उन्होंने सुपर 30 क्लब में धमाकेदार एंट्री करते हुए क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दरअसल, सुदर्शन आईपीएल में 30 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में फिलहाल 1307 रन हैं। उन्होंने गेल को तीसरे स्थान पर खिसका दिया, जिन्होंने 30 आईपीएल पारियों में 1141 रन बटोरे थे। सुदर्शन 30 आईपीएल पारियों में एक हजार प्लस रन बनाने वाले इकलौते भारतीय हैं। ओवरऑल लिस्ट में सुदर्शन से आगे सिर्फ शॉन मार्श हैं। मार्श ने 30 पारियों में 1338 रन जुटाए।

ऑफिस यूनिफॉर्म में भी ट्रेंडी लुक के लिये टिप्स

ऑफिस का यूनिफॉर्म पहनने का अर्थ यह नहीं है कि आप भी दूसरों जैसे ही दिखें! कई ऑफिस में यूनिफॉर्म पहनना पड़ता है। इस कारण अच्छा दिखने के लिए आप कपड़ों के साथ अलग अलग प्रयोग नहीं कर पाते। क्या आपको आश्चर्य हो रहा है कि आप यूनिफॉर्म में भी कैसे ट्रेंडी दिख सकते हैं? जानकारी के लिए पढ़ें। जब आपको ऑफिस में यूनिफॉर्म पहनना होता है तो अलग दिखना थोडा कठिन होता है। परंतु उसी समय यह भी निश्चित है कि आप अपने सहयोगियों से कुछ अलग दिखना पसंद करेंगे।

अपने व्यवसाय की गरिमा को धक्का लगाए बिना मेकअप करना भी एक कला है। आपकी शैली आपके व्यवसाय को परिलिक्षित करती है तथा कुछ मामलों में यह आपकी क्षमता के स्तर का भी सूचक होती है। यदि आपको आश्चर्य होता है कि ऑफिस यूनिफॉर्म में आप कैसे ट्रेंडी दिख सकते हैं तो ये आसान और प्रभावी उपाय अपनाएँ ताकि आप ऑफिस में कुछ अनोखी और अलग दिखें। इससे आप बेहतर दिखेंगी। एसेसरीज़ यदि आपके ऑफिस यूनिफॉर्म के साथ एसेसरीज़ पहनने पर कोई पाबंदी नहीं है तो आप विभिन्न शैली की एसेसरीज़ के साथ प्रयोग कर सकती हैं। विभिन्न प्रकार के हल्के आभूषण और एसेसरीज़ पहनें जो पहली नज़र में ही सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर ले। डिज़ाइनर बैग्स एक अलग बैग की चमक का स्थान कोई नहीं ले सकता। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका ऑफिस का यूनिफॉर्म कितना फीका है; यदि आप एक स्टाइलिश डिज़ाइनर बैग चुन सकते हैं तो भी आप अलग और आकर्षक दिख सकते हैं। यदि आप उच्च पेशेवर हैं तो कुछ अलग डिज़ाइन वाले ऑफिस बैग्स खरीदें। यह एक रोचक सलाह है जिसका उपयोग आप कर सकते हैं। हेयरस्टाइल आपकी शैली को व्यक्त करने में आपकी हेयरस्टाइल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक ही हेयरस्टाइल करने के बजाय विभिन्न प्रकार की हेयरस्टाइल करें। ऐसा न सोचें कि केवल बाल कटवाकर ही आप अपनी हेयरस्टाइल बदल सकती हैं। आप अलग अलग तरीके से कंघी करके, बालों को अलग प्रकार से बांध सकती हैं। आप हेयर कलर का भी प्रयोग कर सकती हैं परन्तु इस बात का ध्यान रखें कि यह अजीब न दिखे। घड़ी इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके ऑफिस का यूनिफॉर्म क्या है, एक अच्छी घड़ी आपको लग दिखने में मदद करती है। जहाँ पुरुष ब्रांडेड घड़ियाँ पहनना पसंद करते हैं वही महिलायें सस्ती परन्तु आधुनिक घड़ियाँ पहनना पसंद करती हैं। घड़ी पहनने के उद्देश्य के अलावा घड़ी आपकी गरिमा को भी प्रदर्शित करती है।

10 मिनट में दिखें जवां

बीबी क्रीम - बीबी क्रीम महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के लिए 'मस्ट हैव' बनती जा रही है। ये न सिर्फ चेहरे के दाग धब्बे छुपाता है बल्कि टोंड त्वचा पाने में भी मदद करता है। बीबी क्रीम इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसके साथ आपको कुछ और इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ती।

अंडर आई क्रीम-आंखों के नीचे के एरिया से बढ़ती उम्र और तनाव का पता चलता है। इसे ठीक करने के लिए सबसे पहले अच्छी नींद और अच्छा खानपान शुरू करना होगा। इसके साथ रोजाना अंडर आई क्रीम का इस्तेमाल करना होगा जो आपको फ्रेश और यंग लुक देगा।

हेयर वॉल्यूम स्प्रे -बाल पतले होना काफी गंभीर समस्या है जो आज हर वर्ग के लोगों को है। पतले बाल आपको उम्र से पहले ही बूढ़ा बना देते हैं, इस समस्या से समाधान के लिए आपको एक अच्छे हेयर वॉल्यूम स्प्रे की जरूरत है। ये बालों को बाउंस और वॉल्यूम देते हैं। इसे इस्तेमाल करने के बाद पानी और बारिश से बचें।

एंटी ऐजिंग प्रोडक्ट -एंटी ऐजिंग क्रीम, फेसवॉश और मॉइस्चरीजर बढ़ती उम्र वाले लोगों के लिए आइडियल उत्पाद हैं। ये आपकी त्वचा को टाइट करते हैं और चेहरे में निखार आता है।

फेस मिस्ट -तैयार होने के बाद आपके चेहरे पर ताजगी बनी रहे उसके लिए 'फेस मिस्ट' परफेक्ट कॉस्मेटिक उत्पाद है। ये आपके चेहरे पर 'सीलिंग एजेंट' की तरह काम करते हैं।

महिलाओं को ब्लड प्रेशर की समस्या में जरूरी है नारियल पानी

नारियल पानी दोनों का अपना ही मजा है। नारियल पानी सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इसके अंदर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व आपके शरीर के लिए फायदेमंद तो होते ही है, लेकिन ये कई बीमारियों को भी आपसे कोसों दूर रखता है। नारियल पानी के कई ऐसे फायदे भी होता है जो आपके शरीर के लिए बेहद जरुरी भी होता है।

नारियल पानी के फायदे:

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में नारियल पानी काफी मदद करता है। नारियल पानी में मौजूद विटामिन सी, पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड प्रैशर को कंट्रोल रखता है। नारियल पानी में कम कैलोरी होने की वजह से ये वजन घटाने में भी आपकी मदद करता है। नारियल पानी में पोटेशियम, मैग्नीज, सोडियम, कैल्शियम के अलावा प्रोटीन और फाइबर भी होता है।

बढ़ती गर्मी की वजह से आपका एनर्जी लेवल काफी कम हो जाता है। इसमें इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। नारियल पानी आपको ठंडक देने के साथ ही एनर्जी लेवल को भी बढ़ाता है।

निमोनिया-डायरिया न बने जानलेवा

बीमारियों के बारे में-

समझें इसके लक्षण

निमोनिया व डायरिया वैसे तो सामान्य बीमारियां मानी जाती हैं लेकिन भारत में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सर्वाधिक मृत्यु इन रोगों के कारण ही हो रही है। भारत में वर्ष 2015 में ही करीब 3 लाख बच्चों को इनके कारण जान गंवानी पड़ी है। हाल ही एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक रोग के लक्षणों को न समझ पाना व सही समय पर उपचार न मिल पाना इसकी वजह हैं। जानते हैं इन बीमारियों के बारे में-

प्रमुख कारण

डायरियाः दूषित भोजन व पानी, साफ-सफाई की कमी, छह माह तक ब्रेस्ट फीड कम कराना।

निमोनियाः बैक्टीरिया के संक्रमण, वातावरण में प्रदूषण, कुपोषण आदि।

लक्षणों से करें पहचान

डायरियाः बार-बार दस्त, अत्यधिक प्यास, आंखें चढना, कम यूरिन, जीभ सूखी व हाथ-पैर ठंडे पडना आदि। परेशानी बढने पर रक्तसंचार बाधित होकर अंग में विकार भी आ सकता है।

निमोनियाः जुकाम, बुखार, सांस लेने में दिक्कत। गंभीर स्थिति में बेहोशी, दौरे किसी अंग में विकार या जान भी जा सकती है।

निमोनिया में रखें खयाल

डेढ, ढाई और साढ़े तीन माह में एच इनफ्लूएंजा व न्यूमोकोकल का वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।

दिन में कमरे की खिड़कियां आदि खोलकर रखें ताकि दूषित वायु बाहर निकल सके।

बच्चे को पोषक तत्त्वों से भरपूर आहार जैसे फल, हरी सब्जियां, दूध व दूध से बने पदार्थ दें।

कुछ बनाते या खिलाते समय साफ-सफाई का विशेष खयाल रखें।

अधिक मसालेदार व तली-भुनी चीजें खाने को न दें।

जुकाम, बुखार के साथ यदि सांस की गति तेज हो तो देर किए बगैर विशेषज्ञ से परामर्श करें।

डायरिया से बचाव के लिए

छह माह तक बच्चों को केवल ब्रेस्ट फीड करवाएं। इसके अतिरिक्त कुछ भी न दें। इससे उसे शरीर के मुताबिक पोषण मिलता रहेगा।

नवजात को रोटावायरस का टीका ढाई व साढ़े तीन महीने पर जरूर लगवाएं।

हरी-सब्जियां, फैट, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, मिनरल्स कैल्शियम व आयरन से भरपूर चीजें दें।

कुछ बनाते समय साफ-सफाई का ध्यान रखें। ताजा चीजें ही खिलाएं, बासी या रखी हुई न दें।

फल देते समय अच्छे से धोएं व खुला रखा जूस, दूध या कोई अन्य पदार्थ न दें।

बच्चा कुपोषित कब?

कुपोषित बच्चों में निमोनिया के गंभीर होने की आशंका ज्यादा रहती है। हम अक्सर इस शब्द का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन इसके वास्तविक पैमाने के बारे में नहीं जानते। विशेषज्ञ के मुताबिक जिन बच्चों का वजन उम्र के अनुसार न होकर 20 प्रतिशत तक कम हो, साथ ही हाथ-पैर पतले हों तो उन्हें इस श्रेणी में रखा जाता है।

कितना होना चाहिए वजन

नवजात :	2.5-3.5 किलो
6 माह :	7.5-8.5 किलो
1 साल	9-10 किलो
2 साल	11-12 किलो
3 साल	13-14 किलो
4 साल	15-16 किलो
5 साल	19-20 किलो

स्टैमिना क्यों कम होता है

आपने कई लोगों को कहते सुना होगा कि उनका स्टैमिना बहुत कम या फिर बहुत अच्छा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका मतलब क्या होता है? आइए, हम आपको बताए कि क्या होता है स्टैमिना -

स्टैमिना का मतलब है आपके शरीर की उर्जा व आपके आंतरिक बल से। सामान्य शब्दों में कहे तो स्टैमिना अर्थात व्यक्ति द्वारा किसी भी काम को मानसिक या शारीरिक रूप से लंबे समय तक जारी रख पाना। वैसे आमतौर पर अधिकांश लोग स्टैमिना से शारीरिक कार्यों को करने की क्षमता ही समझते है।

* थोड़ी दूर तक चलने में या कुछ ही सीढ़ियां चढ़ते वक्त थकान लगना।

* बिना मेहनत किए पसीना आना।

* भूख नहीं लगना।

* हर वक्त खुद को थका हुआ महसूस करना और चक्कर आना।

* आंखों के सामने कभी-कभी धुंधलापन छा जाना।

* किसी काम को करने में मन न लगना।

* हाथों और पैरों में दर्द महसूस होना।

* अधिक नींद आना।

■ **नींद की कमी** – जो लोग रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं ले पाते हैं, उनके शरीर की ताकत धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिससे उनका किसी काम में मन भी नहीं लगता।

■ **पानी कम पीना** – हमारे शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है, ऐसे में अगर शरीर में पर्याप्त पानी नहीं होगा तो भी स्टैमिना कम होने लगता है, इसलिए जरूरी है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिते रहें।

■ **कार्बोहाइड्रेट की कमी** – क्या आपको पता है कि कार्बोहाइड्रेट का सेवन ही शरीर को सबसे ज्यादा एनर्जी देता है। ऐसे में अपने खान-पान में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को संतुलित रखें।

फेफड़ों को नेचुरल तरीके से करें क्लीन

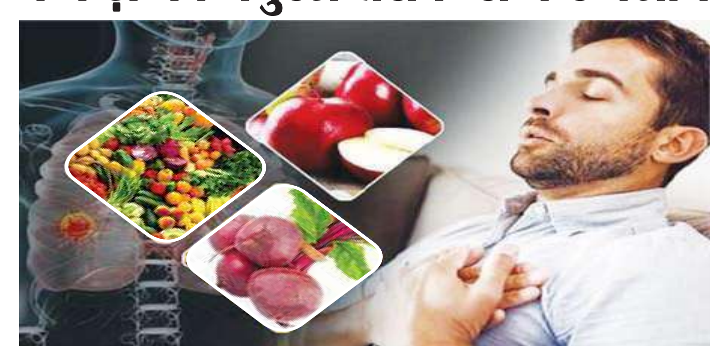

न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट न सिर्फ आपके हेल्थ और वजन के लिए अच्छी होती है बल्कि इनका काम आपको कई सारी गंभीर बीमारियों से भी दूर रखना है। इतना ही नहीं न्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड आइटम्स वायु प्रदूषण के खतरे को कम कम आपके फेफड़ों को हेल्दी बनाए रखने का काम करते हैं। तो आज हम ऐसे ही कुछ नेचुरल फूड आइटम्स के बारे में जानेंगे।

मिर्च : मिर्च विटामिन सी से भरपूर होते हैं जो आपके फेफड़ों की सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद है। विटामिन सी एक ऐसा असरदार एंटीऑक्सीडेंट होता है जो गंभीर फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए रामबाण इलाज है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि विटामिन सी बॉडी से सभी टॉक्सिन्स और फ्री रेडिकल्स को रिमूव करने का काम करता है। जिससे बॉडी के साथ लंग्स भी रहते हैं सुरक्षित।

चुकंदर : चुकंदर में ढेर सारे विटामिन्स और खनिज होते हैं। ये प्राकृतिक शुगर का स्रोत है और इसमें आयरन, सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम आदि भी पाए जाते हैं। चुकंदर कफ बलगम निकालकर सांस की नली को साफ रखता है। मतलब इसका सेवन शरीर के लिए तो फायदेमंद है ही साथ ही ये हमारे फेफड़ों के लिए भी। इसलिए रोजाना चुकंदर का किसी न किसी रूप में सेवन करें।

सेब: फाइबर और विटामिन्स से भरपूर और कैलोरी की कम मात्रा लिए हुए सेब के रोजाना सेवन से आप न सिर्फ डॉक्टर के पास जाने से बचे रहेंगे बल्कि ये आपके श्वसन तंत्र को भी दुरुस्त रखने का काम करता है। सेब में पाया जाने वाला एक खास तरह का फ्लेवोनॉयड क्वरसिटिन फेफड़ों को साफ करने में मदद करता है।

सब्जियां : कुछ सब्जियां जैसे पत्तागोभी, ब्रोकली, गोभी, काले, स्प्राउट्स बहुत ही सेहतमंद ऑप्शन्स होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ये सब्जियां स्किन के साथ ही फेफड़ों के लिए भी काफी अच्छी होती हैं। तो कोशिश करें इनका ज्यादा से ज्यादा सेवन करने की जिससे आपके फेफड़े आसानी से सांस ले सकें।

मेडिटेशन को करें अपनी दिनचर्या में शामिल

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे...

- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- यदि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रातःकाल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

आज की रेसिपी

खुबानी रेसिपी

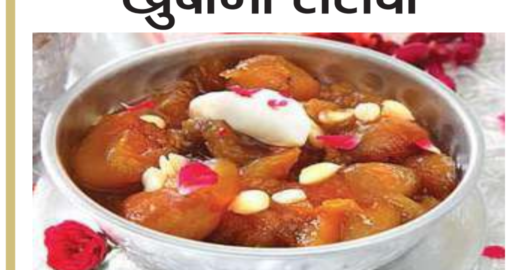

यह किसी भी फेस्टिवल सीजन के लिए एकदम परफेक्ट है, जिसमें आपको खुबानी, अंजीर और प्रून्स का स्वाद मिलता है यह एक पारंपरिक खुबानी रेसिपी है.

सामग्री :

- 300 ग्राम खोया, कद्दूकस किया हुआ
- 200 ग्राम खूबानी (सूखा बीज रहित, भिगोया हुआ और कटा हुआ)
- 200 ग्राम प्रून्स (सूखा बीज रहित, लथपथ और कटा हुआ)
- 200 ग्राम अंजीर सूखा
- 50 ग्राम बादाम पाउडर
- 30 ग्राम गुड़
- 20 ग्राम पिस्ता (बारीक स्लाइस)
- 10 ग्राम चिरौंजी
- 1 टी स्पून हरी इलायची पाउडर
- 25 ग्राम घी

विधि :

- खुबानी को एक घंटे के लिए भिगोने के बाद नरम होने तक उबालकर बारीक काट लें.
- सूखे प्रून्स को भी एक घंटे भिगोने के बाद नरम होने तक उबालकर बारीक काट लें.
- सूखे अंजीर को एक घंटे के भिगोने के बाद छानकर पतली प्यूरी बना लें.
- पिस्ते को छीलकर स्लाइस में काट लें. बादाम को हल्का उबालकर ज्छील लें और बारीक पाउडर बना लें.
- अब एक पैन में घी गरम करें. इसमें अंजीर की प्यूरी डालें और इसे गाढ़ा होने तक पकाएं.
- इसमें कटा हुआ अंजीर और प्रून्स डालकर 15 मिनट तक पकाएं.
- अब इसमें कददूकस की हुआ गुड़ डालें और 2 से 3 मिनट के बाद बादाम पाउडर डालें.
- इसके बाद कददूकस किया हुआ खोया डालें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पकाएं. इसे लगातार चलाते हुए इसमें हरी इलाइची पाउडर डालें.
- इसमें गाढ़ापन आने दें और इसे बर्फी की तरह सेट होने दें.
- चिरौंजी को ड्राई रोस्ट करें. इस मिश्रण को किसी चकोर ट्रे में अच्छी तरह फैलाएं.
- इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें और अपने मनचाहे आकार में काट लें.

चेहरे पर आएगा बिना मेकअप के ग्लो

चेहरे की रंगत अगर फीकी पड़ जाए तो लड़कियां परेशान हो जाती हैं। हर लड़की चाहती है कि उसका चेहरा बेदाग, गोरा और चमकदार बना रहे। मगर धूल-मिट्टी और बढ़ते प्रदूषण के कारण चेहरे की रंगत को बरकरार रख पाना काफी मुश्किल हो जाता है। वहीं, इन दिनों लॉकडाउन की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम भी काफी बढ़ गया है, जिससे लैपटॉप से निकलने वाली घातक किरणें सकिन को अंदर से खराब कर देती हैं। यदि आप भी अपने चेहरे पर कील-मुंहासों के दाग, टैनिंग और झाइयों के कारण परेशान हैं और चेहरे के नूर को दोबारा वापस लाना चाहती हैं, तो एक्सपर्ट की सलाह आपके बड़े काम की हो सकती है। जी हां, एनबीटी ने अपने पाठकों के लिए कुछ ब्यूटिशन से बात की है, जो आपको ऐसे ब्यूटी टिप्स देंगे, जिसको आजमा कर आपकी सकिन दोबारा चमकदार और हेल्दी बन सकती है।

कच्चा आलू

आलू के इस्तेमाल से सनिक से डार्क स्पॉट्स, पिंग्मेंटेशन और टैनिंग की परेशानी दूर होती है। यही नहीं अगर आपकी सकिन से ग्लो चला गया है तो भी आलू का फेस मास्क काफी काम आता है।

कच्चे आलू को घिसकर चेहरे पर स्क्रब की तरह लगाएं। फिर दूसरे दिन कच्चा दूध लगाएं। इससे त्वचा के दाग हल्के हो जाते हैं। कद्दूकस किया हुआ खीरा त्वचा की क्लींजिंग और टोनिंग करता है।

नारियल पानी

त्वचा के दाग दूर करने के लिए नारियल का पानी बहुत कारगर हैं। नारियल पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर उसे आइस ट्रे में डालकर बर्फ जमा दें। फिर रोज एक टुकड़ा निकल कर हल्के हाथों से चेहरे पर मलें। 10 मिनट बाद पानी से धो लें। नारियल के पानी में कैराटिन होता है, जो त्वचा की ऊपरी परत को हटाकर नई त्वचा विकसित करता है।

नींबू

नींबू प्रकृति का वरदान है, यह ब्यूटी ही नहीं बल्कि हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद है। खाली पेट नींबू, पानी और शहद पीने से आपका मेटाबॉलिजम ठीक रहता है वहीं स्किन पर नींबू लगाने से यह दागरहित, सॉफ्ट बनती है और रंगत भी निखरती है। नींबू को शहद में मिलाकर स्किन पर लगाएं, इससे आपकी स्किन सॉफ्ट होगी और रंगत में निखार आएगा।

नींबू का इस्तेमाल करते वक्त ध्यान रखें कि यह एसिडिक होता है इसलिए इसे स्किन पर कभी डायरेक्ट न लगाएं। इसे डाल्यूट करने के लिए गुलाबजल, या ऊपर बताई गई चीजों के साथ मिलाकर ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा स्किन पर नींबू का इस्तेमाल करने के बाद धूप में न निकलें।

नारियल तेल और कपूर

धूल-मिट्टी, प्रदूषण के कारण त्वचा पर दाने और कील-मुंहासे आ जाते हैं। नारियल तेल में एक टिकिया कपूर मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं। 10 मिनट बाद पानी से धो लें। कच्चे दूध से रोज सुबह चेहरा साफ करने से दाग दूर होते हैं। यह उपाय अल्टरनेट दिन में एक महीने तक आजमाएं।

मलाई और हल्दी

एक टीस्पून दूध की मलाई में एक चुटकी हल्दी पाउडर और 1/4 चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से गोलाई में मलें। फिर ऐसे ही छोड़ दें। बीस मिनट बाद चेहरा हलके गुनगुने पानी या ताजे पानी से धो लें। इसे रोजाना दो महीने तक करने से रंगत साफ होगी और दाग भी दूर हो जाएंगे।

फ्रूट पैक का करें नियमित इस्तेमाल

फलों में ऐंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट तो करते ही हैं, दाग-धब्बे भी हल्के करते हैं। फ्रूट पैक के लिए मसला हुआ आधा पका केला, मसला हुआ एक टुकड़ा पका पपीता में आधा चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर रोज सुबह व रात में सोने से पहले लगाएं। 20 मिनट बाद पानी से धो लें।

विधायक असंध योगेन्द्र राणा पहुंचे राजौंद

गेहूं व सरसों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा: विधायक योगेन्द्र राणा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। विधायक असंध योगेन्द्र राणा मंगलवार देर शाम राजौंद पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार चाहुमुखी हो रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में गेहूं खरीद को लेकर भी सरकार पूरी तरह गंभीर है। गेहूं और सरसों की फसल बड़ी मात्रा में मंडियों में आ रही है। ऐसे में फसल खरीद का कार्य संचारु रुप से चलाने के लिए अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। राजौंद में असंध से भाजपा के विधायक योगेन्द्र राणा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मनीराम शर्मा के आवास पर पहुंचे थे। जहां नगर के गणमान्य लोगों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ-साथ का विकास लेकर आगे बढ़ रही है। विधायक ने कहा कि वह लगातार लोगों के बीच जाकर लोगों की समस्या के आधार पर पूरा करें। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न आने दे। उन्होंने कहा कि गेहूं सीजन के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर वह निरंतर मंडियों का दौरा करते रहेंगे। इस दौरान मनीराम शर्मा, कुशल पाल राणा, दीपा पंडित, देवेंद्र कुमार, मनमोहन शर्मा, निरंजन कौशल, मास्टर शंकर स्वरूप शर्मा, सतपाल शर्मा, रोशन लाल, मदन कौशल, प्रदीप कुमार मनोज कुमार, प्रवीण शर्मा, अमित कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तहसील सदर की समस्याओं से जिलाधिकारी को कराया अवगत

एसबी संवाददाता

वाराणसी। अधिवक्ताओं का एक शिष्टमंडल निवर्तमान सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष मुरलीधर सिंह और निवर्तमान महामंत्री सुरेन्द्र नाथ पांडेय और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम प्रकाश गौतम के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एडीएम सिटी आलोक वर्मा से रायफल क्लब में मिलकर तहसील सदर में दाखिल खारिज में हो रही अनावश्यक लेट लतीफी पर जिलाधिकारी के नाम से पत्रक दिया। साथ ही कलेक्ट्रेट स्थित रिकार्ड रूम में फाईलों को मुआयना करने में अधिवक्ताओं को ही रही समस्याओं से अवगत करायो अधिवक्ताओं का कहना था की अगर इन समस्याओं का जल्द समुचित समाधान नहीं किया गया तो प्रधानमंत्री के आगामी वाराणसी दौरे पत्रक देकर इन समस्याओं से अवगत कराया जायेगा।

शिष्टमंडल में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, राघवेन्द्र राय, रविन्द्र यादव, अंकुर प्रकाश, विपिन शुक्ला, सुरेन्द्र कुमार, राघवेन्द्र दूबे, महेंद्र प्रताप, गौतम कुमार झा थे।

फार्मर रजिस्ट्री होने पर ही मिलेगा कृषि की विभिन्न योजनाओं का लाभ

एसबी संवाददाता

बदायूं। डायट परिसर स्थित ऑडिटोरियम में फार्मर रजिस्ट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें निधि श्रीवास्तव जिलाधिकारी, केशव कुमार मुख्य विकास अधिकारी, अरूण कुमार अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, मनोज कुमार उप कृषि निदेशक, दुर्गेश कुमार जिला कृषि अधिकारी, रमन मिश्रा जिला पूर्ति अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पंकज सक्सेना अध्यक्ष प्रधानसंघ व मंत्री, कोटेदार संघ के अध्यक्ष तथा मंत्री, समस्त लेखपाल, समस्त पंचायत सहायक, तथा कृषि विभाग के कार्मिक उपस्थित थे।

जिला कृषि अधिकारी बदायूँ द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के उद्देश्य, लाभ, फार्मर रजिस्ट्री कराने हेतु आवश्यक अभिलेख, फार्मर रजिस्ट्री कराने के तरीके, फार्मर रजिस्ट्री हेतु कार्मिक/विभागवार उत्तरदायित्व के विषय में विस्तार से अवगत कराया। उपस्थित कार्मिकों द्वारा कार्य में आ रही परेशानियॉ के सम्बन्ध में अवगत कराया जिसका जिला कृषि अधिकारी द्वारा मौके पर ही निदान किया गया।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा जनपद की फार्मर रजिस्ट्री रैकिंग के विषय में अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री कार्य को रूचिकर रूप से किये जाने हेतु प्रेरित किया।

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव द्वारा समस्त उपस्थित कर्मचारियों को फार्मर रजिस्ट्री का कार्य 30 अप्रैल 2025 तक समाप्त करने हेतु प्रेरित किया, अन्त में उप कृषि निदेशक द्वारा समस्त आगन्तुको का आभार व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों का शत-प्रतिशत परिपालन करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन आनन्द चौहान कार्यालय उप कृषि निदेशक द्वारा किया गया।

महिला संवाद आयोजन के संदर्भ में कार्यशाला आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। महिला संवाद आयोजन को लेकर समाहरणालय, वैशाली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन, यशपाल मीणा, जिला पदाधिकारी, कुंदन कुमार, उप विकास आयुक्त, विनोद कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, वंदना कुमारी, जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला का उद्देश्य 17 अप्रैल से शुरू होने वाले महिला संवाद का सफलतापूर्वक आयोजन करने संबंधी है। यशपाल मीणा, जिला पदाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को महिला संवाद कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवाद स्थल पर सभी आवश्यक तैयारी पूर्व से ही होनी चाहिए जिससे की संवाद में भाग लेने वाली महिलाओं को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।

महिला संवाद का आयोजन जीविका संपोषित ग्राम संगठनों में किया जाएगा। महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की सभी महिलाएँ भाग लेंगी। ग्राम संगठन द्वारा आयोजित महिला संवाद में सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए गए कार्यों, योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। महिला संवाद कार्यक्रम में सरकार प्रायोजित योजनाओं, कार्यों से महिलाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आये सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत संवाद किया जाएगा एवं संवाद में उपस्थित सभी सदस्यों से योजनाओं पर मंतव्य, परामर्श प्राप्त किया जाएगा। महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य है कि महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराना क सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण क्रियान्वित योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना कमहिलाएँ अपने गाँव या टोले की समस्याओं एवं आकांक्षाओं को चिन्हित कर उनके समाधान के सम्बन्ध में अपना अभिमत सहज तरीके से उपलब्ध करा सकें।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। बढ़ती महंगाई खासतौर पर घरेलू गैस सिलिंडर के दाम में हालिया मूल्यबृद्धि के खिलाफ कांग्रेस सोशल मीडिया की जिला इकाई नें शहर के केंटीन चौराहे पर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। सैकड़ो की संख्या में जूटे कांग्रेसजनो नें सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताया। पुतला दहन के समर्थन में कांग्रेस के कई अन्य प्रकोष्ठ के भी नेता कार्यकर्ता शामिल थे। सोशल मीडिया की राज्य इकाई टीम के उपाध्यक्ष मोहित कुमार नें मौके पर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत तीन साल के निचले स्तर पर है और सरकार गैस के दाम बढ़ा रही है। पहले से मंहगाई से परेशान आम लोगो पर 50 रुपए की एक और मार पड़ी है। गरीब, मध्यमवर्ग इस सरकार को अपना वोट देने की कीमत अदा कर रहा है।

जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस नेता संजय सिंह और कांग्रेस विचार मंच के प्रदेश संयोजक अमित कुमार शर्मा भी सरकार से भारी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। इन्होने कहा कि यह सरकार अपने पूंजीपति मित्रों के हित में गरीबों का गला घोंट रही है। डूबते अर्थव्यवस्था के बीच कॉर्पोरेट मित्रो को बचाने के लिये इस सरकार का एक मात्र शिकार देश का आम नागरिक है। कांगेस पार्टी हमेशा से गरीबों के हित में आगे आकर अन्यायपूर्ण नीतियों का विरोध करती रही है और आज भी सरकार के इस जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क पर है। युवा नेता कुमार रत्नेश टुल्लू और सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष कुशमेश कुमार नें कहा कि यह महज आंदोलन के शुरूआत की झलक है अगर सरकार नें मूल्यवृद्धि वापस नहीं लिया तो हम बड़ी तैयारी के साथ सड़क पर उतरेंगे।

मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष राम स्वरुप पासवान, अमित कुमार बॉबी, संजय कुमार सिंह, मोहित कुमार सिंह, कुशमेश शांडिल्य, सावर कुमार, मुकेश प्रियदर्शी, प्रभाशु कुमार बिट्टू, धीरज कुमार, लीगल सेल अध्यक्ष संजय सम्राट, कमर अंसारी, शिवम् गौतम, हीरा झा, अधिवक्ता रवि किशन, लग्नेश कुमार, मनीष कुमार, कुमार रत्नेश टुल्लू सहित दर्जनों अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

राज्यसभा सांसद ने ली भगत शिरोमणी धन्ना भगत जयंती समारोह को लेकर बैठक

■ समारोह में पहुंचने का दिया आमजन को न्यौता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। राज्य सभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आगामी 20 अप्रैल को भगत शिरोमणि धन्ना की जयंती जींद जिला के उचाना इलाके के गांव पालवां में दाड़न खाप के चबूतरे पर उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पहुंचेंगे। पिछले साल की तरह इस बार भी सरकारी स्तर पर राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह में अधिक से अधिक संख्या में जिलावासी भाग लें।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला इस समारोह के लिए निमंत्रण देने पहुंचें थे। इस उपलक्ष्य में जाट भवन में आयोजित बैठक में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जब हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी थी तब ही हरियाणा सरकार ने यह एक बड़ा ऐतिहासिक निर्णय लिया था कि समाज को एक अच्छी दिशा देने वाले सभी महापुरुषों, गुरुओं, संतों की जयंति हर वर्ष हरियाणा सरकार द्वारा राज्य स्तर पर मनाई जाएगी।

उसी कड़ी में भगत शिरोमणि धन्ना जी की जयंती आगामी 20 अप्रैल को जींद जिला के उचाना के गांव पालवां में श्रद्धा, उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। पिछली बार कैथल जिले में भगत शिरोमणि धन्ना जी की जयंती समारोह में देश के उप राष्ट्रपति और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भगत शिरोमणि धन्ना जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए थे। इस बार के समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। दाड़न सर्वजातीय खाप के संयोजन में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जिले में आमजन से अपील की कि भगत शिरोमणि धन्ना जी की जयंती आगामी 20 अप्रैल को जींद जिला के गांव पालवां में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा ज्योति सैनी, अजीत चहल, सुरेश संधू, डा. प्रीतम कौलेखां, कर्मबीर फौजी, संत छविरामदास जी महाराज, छात्र नेता कृष्ण श्योकंद, जसबीर बैनीवाल, तुषार ढांडा सहित सर्वसमाज से भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा महावीर जयंती समारोह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। भगवान महावीर की जन्मस्थली बासोकुंड में भगवान महावीर स्मारक समिति के सौजन्य से महावीर जयंती समारोह धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसकी जानकारी भगवान महावीर स्मारक समिति के वर्किंग प्रेसिडेंट, मुकेश कुमार जैन ने दी। उन्होंने बताया कि दिनांक 10 अप्रैल 2025 को भगवान महावीर की जयंती मंदिर परिसर में धूमधाम एवं हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10:00 बजे मुजफ्फरपुर समाज द्वारा बौना पोखर मंदिर वैशाली से विशेष रथ यात्रा व जुलूस निकाला जाएगा जो बौना पोखर से चलकर भगवान महावीर जन्म भूमि पर दोपहर 12 बजे पहुंचेगी। उसके बाद महावीर जैन मंदिर में पूजा अर्चना के बाद सायंकालीन बिहार सरकार द्वारा वैशाली महोत्सव के अंतर्गत जैन समाज की सहभागिता होगी।

रायपुर में डिफरेंटली-एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया की कोर कमेटी की बैठक संपन्न

संजना भारती संवाददाता

रायपुर। डिफरेंटली-एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया की कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक रायपुर के होटल एंट्री प्वाइंट में आयोजित की गई है। इस बैठक में संघ के प्रशासनिक व खेल संबंधी कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गयी।

इस अवसर पर डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी श्री रवि चौहान, सेंट्रल जोन चेयरमैन श्री मनोज कुमार अग्रवाल, कोर कमेटी के सदस्य के रूप में गुजरात से दीपेन गांधी, नितेंद्र सिंह,गुरनाम सिंह, मुंबई से अदीस जैन,महाराष्ट्र से धीरज हरदे,कल्पेश गायकर,वेस्ट बंगाल से उत्पल मजूमदार,हैदराबाद से चंद्रभान गिर,विदर्भ से संजय भोसकर, आंध्र प्रदेश से मधुसूदन नायक, छत्तीसगढ़ से अभिषेक सिंह ,बिहार से राकेश कुमार गुप्ता एवं छत्तीसगढ़ राज्य सचिव श्री श्रीमंत झा,जॉइंट सेक्रेटरी श्री एस. मनमद राव भी उपस्थित रहे। राजधानी रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दिनांक 8 मई से 14 मई 2025 तक आयोजित होने वाली "श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल राष्ट्रीय टी-20 दिव्यांग क्रिकेट टूनामेंट (संस्करण-2)" की सफलता को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। जिसमे देशभर से 128 दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जो निश्चित ही युवाओं को प्रेरणा देगा और समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को और प्रबल करेगा।

दलसिंहसराय शहर के प्रसिद्ध सराफा व्यवसायी का निधन

एसबी ब्यूरो/दलसिंहसराय/समस्तीपुर। दलसिंहसराय नगर परिषद के पूर्व सभापति सह राजद नेता चंदन प्रसाद के वयोवृद्ध पिता राजेन्द्र प्रसाद का बीती रात निधन हो गया। उन्होंने 103 वर्ष की आयु में अपने भगवानपुर चकशेखु स्थित आवास पर आखिरी सांसें ली शहर के प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायियों में शुमार राजेन्द्र प्रसाद ट्रस्ट के प्रेरक थे। उन्होंने जीवन भर अपने सादगी समझदारी और आत्मीयता से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे समाज को नई दिशा दी। निधन का समाचार सुनकर सम्पूर्ण क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। मौके पर विनोद प्रसाद, चंदन प्रसाद, राजीव प्रकाश, डॉ. संजीव प्रकाश, उज्जवल प्रकाश, आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरियाणा दौरे को लेकर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पवार ने ली बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के विकास एवं पंचायत व खनन मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 14 अप्रैल के हरियाणा दौरे को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 अप्रैल को यमुनानगर में 800 मेगावाट बिजली परियोजना का शिलान्यास करने के लिए आ रहे हैं। आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में विकास के मार्ग पर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी हरियाणा में आते हैं, बड़ी सौगात देकर जाते हैं। इस बार भी संविधान निमार्ता डा. भीमराव आंबेडकर जयंती पर आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री प्रदेश को करोड़ों रुपये के विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे। कैथल से इस कार्यक्रम में जो लोग भाग लेंगे, उनके कार्यक्रम में पहुंचने के संबंध में किसी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए। पुलिस अधिकारी सुरक्षा व यातायात संबंधी तैयारियों को गंभीरता से करें। जाम आदि की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में विधायक पूंडरी सतपाल जांबा, डीसी प्रीति, एसपी राजेश कालिया सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति सैनी, भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर व अन्य मौजूद थे।

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में लगाई ड्यूटियां-इससे पहले पंचायत एवं विकास मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर के साथ भाजपा कार्यालय में जिले की कोर ग्रुप की बैठक लेने पहुंचें। बैठक की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति सैनी ने की। मंत्री कृष्ण पंवार ने जिले में भाजपा के बनाए गए मंडलों के अनुसार वरिष्ठ नेताओं को 14 अप्रैल को यमुनानगर में आयोजित होने वाले डा. भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह को लेकर ड्यूटियां सौंपी और कहा कि कैथल जिले की इस रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ता व आमजन भाग लें। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रदेश को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने मंत्री कृष्ण लाल पंवार को जिले में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी और कहा कि पूरे जिले के कार्यकर्ता वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में पूरी मेहनत से जुटे हुए हैं। इस कार्यक्रम में जिले से हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे। बैठक में विधायक सतपाल जांबा, पूर्व विधायक लीला राम, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, पूर्व चेयरमैन राजपाल तंवर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राव सुरेंद्र सिंह, सुभाष हजवाना सहित कोर ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे।

इजरायल प्रतिनिधिमंडल ने किया घरौंडा के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र का दौरा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने आज घरौंडा के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में इंडो-इजरायल सहयोग व हरियाणा में इसके प्रभाव को लेकर इजरायल के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसमें श्री राणा ने प्रतिनिधिमंडल से उत्कृष्टता केंद्र में पिछले 14 साल में विकसित नई तकनीकों को प्रदर्शित करने, बागवानी खेती में हाइड्रोपोनिक्स, एयरोपोनिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों में सहयोग का अनुरोध किया।

श्री राणा ने कहा कि हरियाणा में बागवानी तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत-इजरायल कृषि योजना के तहत 6 उत्कृष्टता केंद्रों में से 5 का उदघाटन हो चुका है, एक केंद्र का जल्दी ही उद्घाटन किया जायेगा। इजरायल द्वारा साझा की गई तकनीकी विशेषज्ञता, नवाचार और व्यावहारिक समाधानों से बागवानी पद्धतियों की उत्पादकता और स्थिरता को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इजरायल के सहयोग से हरियाणा में स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से सटीक खेती, उच्च घनत्त्व वाले पौधारोपण, संरक्षित खेती, वर्टिकल खेती, नई फसलों और नई किस्मों की शुरूआत, सूक्ष्म सिंचाई आदि की नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करने से राज्य में बागवानी क्षेत्र में काफी सफलता प्राप्त हई है जिससे किसानों के जीवन में बदलाव आया है। श्री राणा ने कहा कि आने वाले सालों में इस सहयोग को मजबूत करने के लिये तत्पर हैं। उन्नत प्रौद्योगिकियों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन से उत्कृष्टता केंद्रों को और बेहतर बनाने में सहयोग की अपेक्षा करते हैं। उन्होंने नींबू वर्गीय फलों की नई किस्मों पर फल उत्कृष्टता केंद्र मांगियाना (सिरसा) में कार्य करने तथा मधुमक्खियों में रोग की पहचान व इलाज के तरीकों की जानकारी देने का भी अनुरोध किया। भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी इजरायल के साथ बागवानी क्षेत्र में हाथ मिलाकर काम जारी रखेंगे। बैठक में इजरायल के कृषि एवं खाद्य मंत्री ने घटती खेती की जमीन और बढ़ते जल संकट के मद्देनजर वर्टिकल खेती पर जोर दिया। कहा कि वर्टिकल खेती से न केवल पानी को बचाया जा सकता है बल्कि आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर उत्पादन भी अधिक लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का मकाबला करने के लिए खाद्य सुरक्षा की ओर भी ध्यान देना होगा। आगामी दस वर्षों में उत्पादन तीन गुणा बढ़ाने की योजना है। उन्होंने प्रदेश में खेती के लिये प्रयोग किये जा रहे पानी की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

बैठक में बागवानी विभाग के महानिदेशक डा रणवीर सिंह ने प्रदेश में चल रहे पांचों उत्कृष्टता केंद्रों की गतिविधियों, गत वर्ष आयोजित की गई कार्यशालाओं और प्रौद्योगिकी के प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इससे पहले इजरायल के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिक्टर के नेतृत्व में पहुंचे उच्च स्तरीय प्रतिनिधमंडल का स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल में भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार, सदस्य याकोव पोलेग, सुश्री सारा ओल्गा यानोवस्की, उरी रूबिनस्टीन, येदिदा शूलमन व बृहमा देव शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने बैठक के बाद पोलीहाऊस का दौरा किया। इजरायल के कृषि मंत्री एवी डिक्टर, राजदूत रूवेन अजार, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एसीएस डॉ. राजा शेखर वंडरू ने पौधारोपण किया। इस मौके पर ड्रोन का भी प्रदर्शन किया। कृषि मंत्री ने इजरायल प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को स्मृति चिह्न भी भेंट किये।

इस मौके पर भारत सरकार के अवर सचिव मनोज कुमार, राजेश साहा, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के उप कुलपति डा एसके मल्होत्रा, बागवानी विभाग के महानिदेशक डा. रणबीर सिंह, उत्कृष्टता केंद्र के उप निदेशक डॉ. बिल्लू यादव, डॉ. आत्म प्रकाश, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सुरेश चंद, डॉ. मनोज भानुकर(मुख्यालय), प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. हर्षिता, डीएचओ डॉ. मदन आदि मौजूद रहे।